की नज़र कैवेन्डिश केले को लग गई है और उसकी फसल बेहद प्रभावित हुई है।

अब तो बस एक ही विकल्प है कि कोई नई किस्म खोजी जाए। पर कैसे? उम्मीद यही है कि कोई जिनेटिक परिवर्तन हो और अनुर्वर केले में बीज बनने लगे। खोज जारी है। जंगली लेकिन उर्वर अफ्रीकी केलों का हाथ से परागण किया जा रहा है। एक साल के प्रयास के बाद अब तक पंद्रह बीज ही इकट्ठे हुए हैं। और उनमें से केवल चार या पांच ही अंकुरित हो पाए हैं।

क्या जिनेटिक इंजीनियरिंग का इसमें कोई दखल हो सकता है। शायद..। कोशिश चल रही है केलों का जीनोम पता करने की। लेकिन क्या लोग इस नए केले को स्वीकारेंगे? यह एक बड़ा सवाल है। लेकिन हमें उम्मीद नहीं छोड़नी चाहिए। ***(स्रोत विशेष फीचर्स)***

आकाश दर्शन का आनंद

पिछले कई माह से स्रोत के अंतिम पृष्ठ पर आकाश का मानचित्र दिया जा रहा है। आपने शायद इसका उपयोग भी किया होगा और आकाश में राशियां, ग्रह, तारामंडलों को खोजने का प्रयास भी किया होगा। इस अंक में दिया मानचित्र 1 अप्रैल रात 10 बजे के लिए है। पृथ्वी की परिक्रमा गति की वजह से रोज़ाना आकाश थोड़ा बदला हुआ नज़र आता है। आकाश की जो स्थिति 15 अप्रैल की रात 9 बजे है, ठीक वही स्थिति 16 अप्रैल की रात 8 बजकर 56 मिनट पर आएगी और 14 अप्रैल रात 9 बजकर 4 बजे भी। ऐसे करते-करते 15 दिन में 1 घण्टे का अंतर पड़ जाता है। यानी इसी नक्शे का उपयोग आप 15 अप्रैल रात 9 बजे के लिए और 30 अप्रैल रात 8 बजे के लिए भी कर सकते हैं। हां एक बात का ध्यान रखना होगा कि हो सकता है कि 15 अप्रैल रात 9 बजे आकाश में चांद चमक रहा होगा इसलिए तारे धुंधले पड़ जाएंगे। चांद की स्थिति में रोज़ लगभग 50 मिनट का अंतर पड़ता है।

इस माह आकाश में सिंह, कर्क, मिथुन और वृषभ राशियां साफ दिखाई देंगी। वैसे तो कन्या और मेष भी नज़र आएंगी मगर समस्या यह होगी कि मेष 9 बजे अस्त होने को होगी और कन्या का उदय हो रहा होगा। लिहाज़ा 'कन्या' को देखना मुश्किल होगा और 'मेष' का आकाश में ऊपर आने तक इंतज़ार करना होगा।

मिथुन राशि खोजने के लिए पश्चिमी आकाश में देखिए। पश्चिमी क्षितिज से करीब 25 अंश ऊपर आपको तारों का एक समूह नज़र आएगा जिसे मिथुन राशि का नाम दिया है।

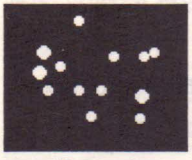

चित्र क

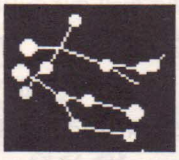

चित्र ख

आकाश में पूरी राशि चित्र क जैसी दिखती है और हमारे तारों के चार्ट में चित्र ख जैसी। मगर इसे आसानी से पहचानने के लिए बेहतर होगा कि पहले आप उसका एक हिस्सा पहचान लें जो कुछ-कुछ चित्र ग जैसा होगा।

वैसे यदि आप ग्रह पहचान पाएं तो 1 अप्रैल को मिथुन राशि के पूर्व में बृहस्पति व पश्चिम में शनि होगा। शेष जानकारी नक्शे में देखें।

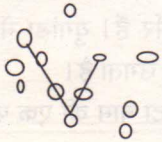

चित्र ग